

सम्पादकीय

केजरीवाल के पैरवीकारों का आरोप

केजरीवाल के गिरफतारी को लेकर उनके पैरवीकार तरह तरह के आरोप लगाते आ रहे हैं। भारत सकार दिल्ली के एलजी और जेल प्रशासन को दोषी बता रहे हैं। पैरवीकारों का आरोप है कि केजरीवाल को धीमी मौत देने के लिये खाली जीवन की जा रही है। सबल है क्योंकि जेजरीवाल ऐसे अपराधिक कैदी हैं कि उनसे उपरोक्त लोग खोल देते हैं। कोटे ने इंडी ड्राग गिरफतारी को सही बताया है केजरीवाल और उनके सहयोगी उन्हें बेल पर बाहर निकलने और निकलनावाने के बेकरार हैं।

आम आदी पार्टी ने आरोप लगाया कि केजरीवाल को इन्सुलिन और डाक्टर से जीवन रखता जा रहा है। पार्टी के अनुसार केजरीवाल राष्ट्र दू मध्यूद्ध से पीड़ित है। केजरीवाल को इन्सुलिन दिये जाने और परिवारिक डाक्टर से विडियो काम्फ्रेस के जरूरी बात करने के मांग पार्टी प्रवक्ता कर रहे हैं। अभी तो अपराध का आरोप कोटे में विचाराधीन चल रहा है। कोटे ने इंडी ड्राग गिरफतारी को सही बताया है केजरीवाल और उनके सहयोगी उन्हें बेल पर बाहर निकलने और निकलनावाने के बेकरार हैं।

आम आदी पार्टी ने आरोप लगाया कि केजरीवाल को इन्सुलिन और डाक्टर से जीवन रखता जा रहा है। पार्टी के अनुसार केजरीवाल को इन्सुलिन दिये जाने और परिवारिक डाक्टर से विडियो काम्फ्रेस के जरूरी बात करने के स्वास्थ्य की जांच करते रहे हैं और जेल के डाक्टर अलग होते रहते हैं। केजरीवाल को भी इसका लाभ मिल रहा होगा। आग कुछ अनहोनी हो जाय तो निम्नोदयी जेल प्रशासन और जेल डाक्टर पर आयेगी। जेल प्रशासन और जेल डाक्टर ऐसी नौबत बताये आने देंगे। क्योंकि अगर ऐसे मामले में कोई अप्रिय घटना घट गई तो प्रशासन और मेडिकल टीम को बकवाया सजा मिलती है।

केजरीवाल 20-22 साल से शुरू के मरीज हैं। उन्होंने प्रत्यंत निदेशालय पर आग लगाने को लेकर संकीर्ण सोच रखने का आरोप लगाया है। एक अदालत के समान कहा है कि उन्हें जो खाना खाया था कि किंतुक्स के चार्टर अनुसार है। जेल में इन्सुलिन दिये जाने का अनुरोध किया है। इंडी का कहाना है केजरीवाल बेल पर बाहर आने के लिये शूरू बढ़ाने वाला खाना ले रहे हैं और इन्सुलिन नहीं ले रहे हैं। केजरीवाल के बकील ने कहा कि केजरीवाल की गिरफतारी के बाद से उनके शुरू करने की नियन्त्रित रखने के लिये इन्सुलिन नहीं दिया जा रहा है। बकील के अनुसार यह चौकाने वाला और खतरनाक है।

अदालत ने केजरीवाल के शुरू स्टर्क के नाम के लिये दैनिक आधार पर नजर रखने के लिये जेल में एक मशीन का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। पार्टी का कहाना है साजिनाव का अनुरोध जेजरीवाल को किल करने की साजिश है। ताकि दो चार महीने बाद केजरीवाल जेल से बाहर आये तो युद्ध, हृदय और दूसरे अंगों के इलाज के लिये जाते रहे। प्रन वही अखिल केजरीवाल से इतना खौफ को बढ़ा करना का महत्व बढ़ाने की यह साजिश नहीं हो सकती। जेल में और कैटी है किसी की ऐसी शिकायत नहीं है। प्रशासन कह रहा है महीनों से केजरीवाल इन्सुलिन नहीं ले रहे हैं। केजरीवाल के लिये खूब स्टर्क पार्टी से खेलसक रहे हैं।

देश में भाईचारा और सांप्रदायिक सद्भाव के कुछ उदाहरण

दीक्षण तमिलनाडु में विनाशकीय बाढ़ के बाद, मेड्यनलूर बैयुलमल जमात मसिजद ने जलूतामें रिंद परिवारों को आश्रय और साताना प्रदान करवे के लिए अपने दरवाजे खोल दिए। चार दिनों के लिये शूरू करवाये ने मसिजद की दीवारों के भीतर शरण ली, न केवल आश्रय प्राप्त किया, बल्कि भोजन, कपड़े और दरा जैसे आवश्यक प्रवाहन भी प्राप्त किये। यह निर्वाचनी कार्य धार्मिक सीमाओं को पार कर गया, जो एकजुटता की जम्माजात भावना को प्रतीकी करता है जो संकट के समय समूहों को एक साथ बांधता है। इसी तरह, कर्नाटक के कोपाल में, अतिथ्य का एक दिल को छु लेने वाला भाव सामान आया जब उसी मुस्लिम परिवार ने राजनीतिक निशान लगा रहे हैं। कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

परिवारों के लिये दैनिक आवश्यक संघर्षों में भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिये जेल में एक दिल को छु लेने वाले भावना को लेकर सहमति नहीं बन रही। क्या किसानों की मांग अनुचित है? क्या आदेलनकारी किसानों के कंधे पर बूकू रखकर राजनीतिक निशान लगा रहे हैं? कई महीने पहले

भीषण गर्मी और लू से मचा हाहाकार

अवधनामा संबाददाता

जौनपुर। भीषण गर्मी और लू से हर तरफ हाहाकार मचा है। जिले का तापमान 41 डिग्री सेलिंसर पार कर गया है। भीषण गर्मी से आम जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। स्कूली बच्चों से लेकर बड़े बुजुंगी गर्मी की चेपट में आ रहे हैं। वहीं दोपहर के समय शहर की सड़कों पर सन्नाटा पार कर जाता है। पशु-पक्षी भी गर्मी से होटे स्ट्रॉक का खतरा भी बढ़ गया है। पिछले एक सप्ताह में पारा तीन बार 40 डिग्री पार जा चुका है। अब गर्मी दिन के साथ-सात गत में भी लोगों को परेशन कर रही है। मौसम विभाग की मानें तो गर्म हवाओं का प्रभाव अभी जारी रहेगा।

पिछले वर्ष लू मई के महीने में शुरू हुई थी। भीषण गर्मी व लू ने लोगों का धर से निकलना भी दूषकर दिया है। शहर में कई स्थानों पर समाजसेवियों द्वारा गर्मी में पानी के लिए रसस रहे लोगों के लिए ठंडे पानी लिए थाल नहीं लगाया गया है। पहले कई स्थानों पर मटकों में पानी भर कर रखा जाता रहा है। जहां गाहीरों को रोक उठें ठंडा पानी पिलाकर लोग उनके पास बुझायी जाती थी लेकिन अभी स्थानों पर इसकी गति नहीं लगाया गया है। इसके लिए गर्मी के कारण शहर में 70 प्रतिशत मरीज वायरल डायरिया से पीड़ित आ रहे हैं। और आगे एस अस्पताल मरीज वायरल डायरिया की चाहीं का घोल पिलाएं। यह लापाता तापमान में हो रही किया है। लापाता तापमान में हो रही बढ़ी दोपहर से होटे स्ट्रॉक का खतरा भी बढ़ गया है। इसके असर बच्चों के स्वास्थ्य पर अधिक देखा जा रहा है। घर में ही ताजे फलों का जूस निकाल कर सेवन करें।

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में स्थित साइकिल स्टैंड के कंगर्चारियों द्वारा एक महिला के साथ मारपीट का बीड़ोंगा सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। नीडिया में साफ देखा जा सकता है कि हाथों में लाली ढंडा लिए तरफ से घेरकर गाली गलियारी महिला के साथ द्वायापाई कर रहा है। और उसके साथ आगे व्यक्ति के साथ गाली गलौंगा का रहे हैं। सूती कड़े पफें, क्वार्किंग यह परसीना आसानी से सोचा लेते हैं। धूप के चर्चे और टोपी का प्रयोग करें। घर में ही ताजे फलों का जूस निकाल कर सेवन करें।

सूची

बहराइच/सुल्तानपुर/ललितपुर/फिरोजाबाद

185 हज यात्रियों को लगा टीका



अवधनामा संवाददाता

टीकाकरण करा सकें।

सुल्तानपुर। इस्लाम धर्म के वैश्विक आस्था का केंद्र काबा की दर्शन करने हज यात्रा पर जाने वाले आजमीने का टीकाकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हआ वर्ष 2024 में सुल्तानपुर जिले से 195 लोग हज यात्रा पर जा रहे हैं। जिसमें सोमवार को 185 लोगों को टीका लगाया गया। टीकाकरण के उपरांत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण जिला हज ट्रेनर मौलाना मुहम्मद

उमान कासमी जमिया इस्लामिया मदरसा के निजम -ए-आला (प्रबंधक) एवं मरकज मरिजद के पेश इमान द्वारा दिया गया। दिनांक 29 अप्रैल को प्रशिक्षण में 104 हज यात्री उपस्थिति हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ओम प्रकाश चौधरी को और से गवित टीम में डॉ तहसीन तौहीन खान एम ओं तुलेपुर डॉ गवित्या खाना समुदायिक स्तास्थ विभाग की ओर से गवित टीम द्वारा लगाया गया। 104 हज यात्री को ड्राप पिला कर वैसीन का टीका लगा उधर जमिया अरबिया मदरसा में 81 लोगों को टीका लगाया गया। टीकाकरण के उपरांत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण जिला हज ट्रेनर मौलाना मुहम्मद

